[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5026 **K**

Unique Paper Code : 2132103501

Name of the Paper : VEDA AND UPANISHAD, DSCC-13

Name of the Course : **B. A. (H.) Sanskrit**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks :90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll- No- on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना रोल नम्बर लिखें ।

2. Unless otherwise required in a question] answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the

   अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. Answer all questions.

   सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** मन्त्रों का अनुवाद कीजिए:
   Translate any **three** of the following mantras: (6×3=18)

   i. तं दुर्दर्शं गूढमनुप्रविष्टं गुहाहितं गह्वरेष्ठं पुराणम् ।
   अध्यात्मयोगाधिगमेन देवं मत्वा धीरो हर्षशोकौ जहाति ॥

   ii. अग्निना रयिमश्नवत्पोषमेव दिवेदिवे । यशसं वीरवत्तमम् ॥

   iii. यदुदीरत आजयो धृष्णवे धीयते धना ।
   युक्ष्वा मदच्युता हरी कं हनः कं वसौ दधोऽस्माँ इन्द्र वसौ दधः ॥

   iv. अविद्यायामन्तरे स्वयं धीराः वर्तमानाः पण्डितंमन्यमानाः ।
   दन्द्रम्यमाणाः परियन्ति मूढा अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः॥

2. निम्नलिखित में से **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए:

   Explain any **two** of the following mantras: (9×2=18)

   (i) राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिविम् । वर्धमानं स्वे दमें ॥

P.T.O.

(ii) दूरमेते विपरीते विषूची अविद्या या च विद्येति ज्ञाता।

विद्याभीप्सिनं नचिकेतसं मन्ये न त्वा कामा बहवोऽलोलुपन्त ॥

(iv) अन्यत्र धर्मादन्यत्राधर्मादन्यत्रास्मात्कृताकृतात्।

अन्यत्र भूताच्च भव्याच्च यत्तत्पश्यसि तद्वद ॥

3. निम्नलिखित में से **एक** मन्त्र की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए:

Explain any **one** Mantra in **Sanskrit**: (9)

न नरेणावरेण प्रोक्त एष सुविज्ञेयो बहुधा चिन्त्यमानः।

अनन्यप्रोक्ते गतिरत्र नास्ति अणीयान्ह्यतर्क्यमणुप्रमाणात् ॥

अथवा / OR

यदङ्ग दाशुषे त्वमग्ने भद्रं करिष्यसि। तवेत्तत्सत्यमङ्गिरः ॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का विवेचन कीजिए:

Explain any **two** of the following: (18×2=36)

(i) ऋग्वेद एवं यजुर्वेद संहिताओं का शाखाओं सहित परिचय दीजिए।

Write an introduction of the Ṛgveda and Yajurveda mentioning their branches.

(ii) उपनिषदों में निहित प्रमुख दार्शनिक विचारों की चर्चा कीजिए।

Discuss the principal philosophical ideas contained in the Upanishads.

(iii) ब्राह्मण- ग्रन्थों की प्रमुख विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

Describe the main contents of the Brāhman texts.

(iv) अग्नि देवता के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the Vedic features of deity *Agni.*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any **two** of the following: (4.5×2=9)

i. कठोपनिषद् के अनुसार श्रेयस्
Śreyas according to the *Kathopaniṣad*

ii. ब्राह्मण- साहित्य
Āraṇyaka Literature

iii. कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय की द्वितीय वल्ली में नचिकेता और यम के संवाद का सार।
Summary of Conversation between Nachiketa and Yama in second valli of first chapter of *Kathopaniṣad.*